02

तताँरा-वामीरो कथा

(लीलाधर मंडलोई)

पाठ का सार

लिटिल अंडमान और तताँरा

अंडमान द्वीपसमूह का अंतिम द्वीपसमूह लिटिल अंडमान है। इसी तरह निकोबार द्वीपसमूह के पहले द्वीप का नाम कार-निकोबार है। यह कहा जाता है कि पहले कभी ये दोनों एक हुआ करते थे।

जब लिटिल अंडमान और कार-निकोबार द्वीप आपस में जुड़े हुए थे, उस समय वहाँ एक सुंदर एवं बलिष्ठ युवक रहता था—तताँरा। तताँरा 'पासा' गाँव का रहने वाला था और मुसीबत में सबके काम आता था। यही कारण है कि उसे सभी लोग आदर व सम्मान की दृष्टि से देखते थे तथा उसे अपने पारिवारिक और सामाजिक कामों में बुलाया करते थे। उसके पास लकड़ी की बनी एक तलवार थी, जिसे वह सदैव अपने साथ रखता था।

तताँरा-वामीरो की मुलाकात

एक शाम जब तताँरा समुद्री बालू पर बैठकर सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणों को निहार रहा था, तभी उसे पास ही एक मधुर गीत सुनाई दिया।

तभी उसकी नज़र एक युवती पर पड़ी, जो एक श्रृंगार गीत गा रही थी। इसी समय एक समुद्री लहर ने उसे भिगो दिया और उसने गीत गाना बंद कर दिया। वह युवती वामीरो थी, जो 'लपाती' गाँव की रहने वाली थी।

तताँरा का वामीरो से अनुरोध व वामीरो की बेचैनी

गीत रुकते ही तताँरा बेचैन हो गया और उसने वामीरो से पूछा कि उसने गीत गाना बंद क्यों कर दिया? वामीरो ने उससे बेरुखी से बात की और तताँरा उससे गीत गाने का अनुरोध करता रहा। अंत में वामीरो ने उससे पूछा कि क्या वह इस गाँव का नियम नहीं जानता, जो बार-बार गीत गाने के लिए कहे जा रहा है। यह कहकर वह वापस जाने लगी तो तताँरा उससे गिड़गिड़ाते हुए बोला कि वह उसे माफ़ कर दे, क्योंकि वह उसे देखकर विचलित हो गया था। उसने वामीरो से अगले दिन फिर इसी स्थान पर आने को कहा।

वामीरो पर तताँरा का प्रभाव जम चुका था। उसे तताँरा ऐसा ही युवक लगा, जिसके विषय में उसने अपने जीवनसाथी के रूप में कल्पना की थी, किंतु परेशानी यह थी कि वह उसके गाँव का नहीं था और गाँव का यह नियम था कि किसी बाहरी युवक का विवाह गाँव की युवती से नहीं हो सकता था। इसी कारण वह निराश हो गई और उसे भूलने की कोशिश करने लगी।

तताँरा-वामीरो का पुनर्मिलन

तताँरा और वामीरो दोनों एक-दूसरे से मिलने को बेचैन थे, इसलिए उनका समय काटना कठिन हो गया। अगले दिन जैसे ही शाम हुई, तताँरा उसी स्थान पर पहुँच गया और वामीरो को ढूँढने लगा। अचानक उसने नारियल के पेड़ों में वामीरो की छाया को देखा, जो छिपते-छिपाते उससे मिलने आई थी। दोनों एक-दूसरे को चुपचाप एकटक देखते रहे।

एक दिन लपाती के कुछ युवकों ने दोनों को एक साथ देख लिया और यह बात सारे गाँव में फैल गई। दोनों को उनके गाँववालों ने समझाया कि दोनों अलग-अलग गाँव के हैं। अत: दोनों का संबंध संभव नहीं है, परंतु दोनों पर गाँववालों की बातों का कुछ भी असर नहीं हुआ और वे इसी प्रकार समुद्र के किनारे रोज़ मिलते रहे।

वामीरो के अपमान पर तताँरा की प्रतिक्रिया

कुछ समय बाद पासा गाँव में पशु-पर्व का आयोजन हुआ। वहाँ वामीरो तताँरा को देखकर ज़ोर से रो पड़ी। उसके रोने की आवाज़ सुनकर वामीरो की माँ वहाँ आ गई और उसने तताँरा का बहुत अपमान किया। तताँरा से यह सहन नहीं हुआ। उसने क्रोध में आकर अपनी लकड़ी की तलवार निकाली और उसे पूरी शक्ति के साथ धरती में गाड़ दिया। इसके बाद वह उसे खींचते-खींचते दूर तक चला गया। तलवार को ज़मीन में गाड़े हुए वह द्वीप के अंतिम छोर तक पहुँच गया।

तताँरा की तलवार द्वारा धरती में दरार

जहाँ तक तताँरा की तलवार धरती में लगी थी, वहीं से धरती के दो भाग हो गए। अब तताँरा एक ओर खड़ा था और वामीरो दूसरी ओर। तताँरा जिस भाग पर खड़ा था, वह भाग अब धरती में धँसने लगा था। अचानक उसे होश आया और उसने छलाँग लगाकर दूसरे सिरे को पकड़ने की कोशिश की, किंतु उसकी यह कोशिश सफल नहीं हो सकी और वह समुद्र की ओर फिसलने लगा। इस समय उसके मुँह से एक ही शब्द निकल रहा था—वामीरो। वामीरो भी उसका नाम पुकार रही थी। तताँरा लहूलुहान होकर अचेत हो गया। वह कटे हुए द्वीप के अंतिम भूखंड पर पड़ा हुआ था, जो अभी तक दूसरे भाग से संयोगवश जुड़ा हुआ था।

तताँरा-वामीरो का अंत

तताँरा बहता हुआ कहाँ गया और उसका क्या हुआ, यह कोई नहीं जानता। दूसरी ओर वामीरो तताँरा का वियोग सहन कर पाने में असमर्थ हो चुकी थी। वह रोज़ उसी स्थान पर जाती और तताँरा को ढूँढ़ती। उसने खाना-पीना छोड़ दिया और अपने परिवार से अलग हो गई। लोगों ने उसे ढूँढने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे।

तताँरा-वामीरो की कथा का प्रभाव

आज दोनों ही नहीं हैं, लेकिन उनकी यह प्रेमकथा घर-घर में सुनाई जाती है। तताँरा-वामीरो के बलिदान के पश्चात् निकोबारी दूसरे गाँवों में भी वैवाहिक संबंध करने लगे हैं। वैवाहिक संबंधों में आने वाले इस परिवर्तन को शायद तताँरा-वामीरो के बलिदान ने संभव किया है।

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सदियों पूर्व, जब लिटिल अंडमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर-सा गाँव था। पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता था। अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्त्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते थे। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँव में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते थे। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता था।

(क) तताँरा द्वारा परम कर्त्तव्य माना गया है?
- (i) अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना
- (ii) अपने गाँववासियों की सहायता करना
- (iii) समूचे द्वीपवासियों की सहायता करना
- (iv) पशु-पर्व में सम्मिलित होना

(ख) निकोबार के लोगों द्वारा तताँरा से प्रेम करने का क्या कारण था?
- (i) क्योंकि वह सबकी सहायता करने के लिए तैयार रहता था
- (ii) क्योंकि वह उनके गाँव का नवयुवक था
- (iii) क्योंकि उसके पास अद्‌भुत तलवार थी
- (iv) क्योंकि वह अत्यंत सुंदर था

(ग) गाँव के लोग तताँरा के करीब क्यों रहना चाहते थे?
- (i) उसकी शक्ति के कारण
- (ii) उसकी सेवा भावना को देखने के कारण
- (iii) उसके आत्मीय स्वभाव के कारण
- (iv) उसकी तलवार का प्रयोग करने के कारण

(घ) तताँरा को दूसरे गाँव के पर्व-त्योहारों में क्यों आमंत्रित किया जाता था?
- (i) मुसीबत में पड़े लोगों की सहायता करने के कारण
- (ii) उसके आकर्षक व्यक्तित्व के कारण
- (iii) उसके द्वारा परंपराओं को महत्त्व देने के कारण
- (iv) उसके गंभीर स्वभाव के कारण

(ङ) गद्यांश के अनुसार तताँरा के चरित्र की क्या विशेषता है?
- (i) कर्त्तव्यनिष्ठता की
- (ii) त्यागमय स्वभाव की
- (iii) आकर्षक व्यक्तित्व की
- (iv) उपरोक्त सभी

2. तताँरा मानो सम्मोहित था। उसके कानों में युवती की आवाज ठीक से पहुँच न सकी। उसने पुनः विनय की, "तुमने गाना क्यों रोक दिया? गाओ न?"

युवती झुँझला उठी। वह कुछ और सोचने लगी। अंततः उसने निश्चयपूर्वक एक बार पुनः लगभग विरोध करते हुए कड़े स्वर में कहा- "ढीठता की हद है। मैं जब से परिचय पूछ रही हूँ और तुम बस एक ही राग अलाप रहे हो। गीत गाओ-गीत गाओ, आखिर क्यों? क्या तुम्हें गाँव का नियम नहीं मालूम?" इतना बोलकर वह जाने के लिए तेजी से मुड़ी। तताँरा को मानो कुछ होश आया। उसे अपनी गलती का अहसास हुआ। वह उसके सामने रास्ता रोककर, मानो गिड़गिड़ाने लगा।

(क) वामीरो के गाँव का क्या नियम था?
- (i) किसी अन्य गाँव के युवक से बात नहीं कर सकते थे
- (ii) किसी का अनादर नहीं कर सकते थे
- (iii) अन्य गाँव के युवकों से स्वयं को बचाना था
- (iv) किसी के सामने गीत नहीं गाना था

(ख) तताँरा के सम्मोहन का कारण था
- (i) अपनी धुन में खोना (ii) गाँव की याद आना
- (iii) वामीरो का मधुर गीत (iv) शांत वातावरण

(ग) वामीरो का तताँरा पर क्रोध करने का क्या कारण था?
- (i) तताँरा उसके प्रश्नों का उत्तर नहीं दे रहा था
- (ii) तताँरा दूसरे गाँव का रहने वाला था
- (iii) तताँरा अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा था
- (iv) उसे गाँव वालों का भय था

(घ) गद्यांश के अनुसार तताँरा कौन-सा राग अलाप रहा था?
- (i) अपनी तलवार की दैव्य शक्ति का
- (ii) वामीरो से गाना गाने का
- (iii) अन्य गाँववासियों से मिलने का
- (iv) वामीरो से प्रेम करने का

(ङ) अपनी गलती का अहसास होने पर तताँरा ने क्या किया?
(i) वामीरो को अपने विषय में बताने लगा
(ii) वामीरो का रास्ता रोककर, गिड़गिड़ाने लगा
(iii) वामीरो की माँ से मिलने का निवेदन करने लगा
(iv) वामीरो से क्षमा माँगी

3. पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है। शाम से सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। तताँरा का मन इन कार्यक्रमों में तनिक न था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढ़ने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें तरल थीं। होंठ काँप रहे थे। तताँरा को देखते ही वह फूटकर रोने लगी। तताँरा विह्वल हुआ। उससे कुछ बोलते ही नहीं बन रहा था। रोने की आवाज लगातार ऊँची होती जा रही थी। तताँरा किंकर्त्तव्यविमूढ़ था। वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी।

(क) पशु-पर्व में किस प्रकार के पशुओं का प्रदर्शन किया जाता था?
(i) कमजोर पशु (ii) हृष्ट-पुष्ट पशु
(iii) जंगली पशु (iv) पालतू पशु

(ख) 'होंठ काँप रहे थे' से तात्पर्य है
(i) आंतरिक विलाप
(ii) रोने को उत्सुक
(iii) भयपूर्ण तथा रोने की स्थिति
(iv) उपरोक्त सभी

(ग) तताँरा का मन कार्यक्रम में न लगने का क्या कारण था?
(i) गाँ द्वारा डाँटा जाना
(ii) कार्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन न होना
(iii) गाँव वालों की उपेक्षा करना
(iv) वामीरो को ढूँढना

(घ) वामीरो क्यों झिझक रही थी?
(i) पशुओं के प्रदर्शन को देखने में
(ii) भय के कारण सामने आने में
(iii) कार्यक्रम में जाने से
(iv) भोजन का आनंद न ले पाने से

(ङ) वामीरो की माँ आग-बबूला क्यों हो गई?
(i) वामीरो-तताँरा को एकसाथ देखकर
(ii) वामीरो के जोर से रोने पर
(iii) तताँरा की स्थिति को देखकर
(iv) पशु-पर्व का समापन देखकर

4. वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी। सारे गाँववालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा। इस बीच गाँव के कुछ लोग भी वहाँ पहुँच गए। वामीरो की माँ क्रोध से उफ़न उठी। उसने तताँरा को तरह-तरह से अपमानित किया। गाँव के लोग भी तताँरा के विरोध में आवाज़ें उठाने लगे। यह तताँरा के लिए असहनीय था। वामीरो अब भी रोए जा रही थी। तताँरा भी गुस्से से भर उठा। उसे जहाँ विवाह की निषेध परंपरा पर क्षोभ था वहीं अपनी असहायता पर खीझ। वामीरो का दुःख उसे और गहरा कर रहा था। उसे मालूम न था कि क्या कदम उठाना चाहिए? अनायास उसका हाथ तलवार की मूठ पर जा टिका। क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। उसका क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था। *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*

(क) गद्यांश में क्रोध और अग्नि की तुलना क्यों की गई है?
(i) क्रोध और अग्नि दोनों ही बड़े गर्म होते हैं
(ii) क्रोध और अग्नि दोनों पर ही नियंत्रण कठिन है
(iii) तताँरा का स्वभाव बहुत गुस्से वाला था
(iv) वामीरो की माँ और तताँरा दोनों ही गुस्से में थे

(ख) तताँरा को गुस्सा क्यों आया?
(i) वामीरो की माँ ने तताँरा से झगड़ा किया
(ii) उसे विवाह की निषेध परंपरा पर क्षोभ था
(iii) वामीरो अब विवाह के लिए तैयार न थी
(iv) वामीरो ने तताँरा की सहायता नहीं की

(ग) वामीरो की माँ को दृश्य अपमानजनक क्यों लगा?
(i) माँ को गाँव के समक्ष अपमान महसूस हुआ
(ii) माँ को वामीरो के लिए तताँरा पसंद नहीं था
(iii) माँ गाँव की परंपरा से बँधी थी
(iv) माँ वामीरो से बहुत प्यार करती थी

(घ) तताँरा-वामीरो कथा समाज की किस समस्या की ओर ध्यान इंगित कराती है?
(i) जाति-प्रथा की ओर
(ii) बेमेल-विवाह की ओर
(iii) विवाह के परंपरागत नियमों की ओर
(iv) बाल-विवाह की ओर

(ङ) आग बबूला हो उठने का क्या अर्थ है?
(i) अत्यधिक क्रोध आना
(ii) आग की प्रचंड लपटों की तरह लहराना
(iii) बच्चों की चिंता करना
(iv) बहुत परेशान हो उठना

5. क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था। लोग सहम उठे। एक सन्नाटा-सा खिंच गया। जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा। वह पसीने से नहा उठा। सब घबराए हुए थे। वह तलवार को अपनी ओर खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया। वह हाँफ रहा था। अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गई थी, वहाँ एक दरार होने लगी। मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो। एक गड़गड़ाहट-सी गूँजने लगी और लकीर की सीध में धरती फटती ही जा रही थी। द्वीप के अंतिम सिरे तक तताँरा धरती को मानो क्रोध में काटता जा रहा था। सभी भयाकुल हो उठे। लोगों ने ऐसे दृश्य की कल्पना न की थी, वे सिहर उठे।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक और पाठ का क्या नाम है?
(i) निदा फाज़ली-अब कहाँ दूसरे के दु:ख से दु:खी होने वाले
(ii) प्रेमचंद-बड़े भाई साहब
(iii) रवींद्र केलेकर-झेन की देन
(iv) लीलाधर मंडलोई-तताँरा-वामीरो कथा

(ख) तताँरा ने क्रोध में आकर कौन-सा कार्य किया?
(i) तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा
(ii) तलवार को धरती में घोंप दिया
(iii) (i) और (ii) दोनों
(iv) वामीरो की माँ पर हाथ उठा दिया

(ग) तताँरा ने अपने क्रोध को शांत करने के लिए कौन-सा उपाय किया?
(i) वामीरो को प्रेमभरी नजरों से देखा
(ii) गाँव वालों को समझाने का प्रयास किया
(iii) तलवार को धरती में गाड़कर खींचते हुए दूर ले गया
(iv) अपनी तलवार और वीमारो में से एक को चुना

(घ) गाँव के लोग किस कारण सिहर उठे थे?
(i) तताँरा के क्रोध को देखकर
(ii) फटती हुई धरती को देखकर
(iii) (i) और (ii) दोनों
(iv) तताँरा की तलवार को देखकर

(ङ) धरती दो टुकड़ों में क्यों बँटने लगी थी?
(i) तताँरा-वामीरो का वियोग होना
(ii) तताँरा को देश निकाला मिलना
(iii) तताँरा द्वारा तलवार से धरती पर लंबी रेखा खींचना
(iv) वामीरो की माँ द्वारा गाँव का विभाजन करना

अध्याय पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. अंडमान निकोबार द्वीप समूह का अंतिम दक्षिणी द्वीप कौन-सा है?
(क) निकोबार (ख) लिटिल निकोबार
(ग) लिटिल अंडमान (घ) पोर्ट ब्लेयर

2. तताँरा के व्यक्तित्व की क्या विशेषता थी?
(क) शक्तिशाली व आकर्षक युवक
(ख) नेक और मददगार युवक
(ग) त्याग की भावना
(घ) उपरोक्त सभी

3. लोगों का तताँरा की तलवार को लेकर क्या विचार था?
(क) उसकी तलवार किसी काम की नहीं है
(ख) उसकी तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति है
(ग) उसकी तलवार में धार नहीं है
(घ) उसकी तलवार ने अनेक लोगों की जान ली है

4. आस-पास के लोग तताँरा को क्यों आमंत्रित करते थे?
(क) उसके आत्मीय स्वभाव के कारण
(ख) उसके सुंदर होने के कारण
(ग) उसके शक्तिशाली होने के कारण
(घ) उसके अमीर होने के कारण

5. तताँरा अपनी सुध-बुध क्यों खो बैठा था?
(क) मधुर गीत की धुन सुनने के कारण
(ख) मौसम के अचानक खराब होने के कारण
(ग) गर्मी अत्यधिक होने के कारण
(घ) उपरोक्त सभी

6. पाठ 'तताँरा वामीरो' के आधार पर बताइए युवती कैसा गीत गा रही थी?

(क) करुण गीत (ख) शृंगार गीत
(ग) हास्य गीत (घ) देशभक्ति का गीत

7. तताँरा किसको निहार रहा था?
(क) बादलों के समूह को
(ख) सागर की लहरों को
(ग) युवती को
(घ) सूरज की किरणों को

8. वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई थी?
(क) नींद आ जाने के कारण
(ख) समुद्र में ऊँची उठी लहरों के कारण
(ग) अनजान युवक को सामने खड़ा हुआ देखने के कारण
(घ) गाँव वालों के आ जाने के कारण

9. वामीरो के गाँव की क्या प्रथा थी?
(क) अपने गाँव के अतिरिक्त दूसरे गाँव के युवक से विवाह पर प्रतिबंध
(ख) वर और वधू एक-दूसरे को जानते हों
(ग) अपने गाँव के अतिरिक्त दूसरे गाँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देना
(घ) विवाह के लिए युवक-युवती आर्थिक रूप से संपन्न हों

10. वामीरो से मिलने से पूर्व तताँरा का जीवन कैसा था?
(क) शांत और गंभीर
(ख) अत्यंत रोचक
(ग) सहज और सरल
(घ) खुशहाल

11. तताँरा के पासा गाँव में किसका आयोजन हुआ?
(क) पशु पर्व का (ख) सांस्कृतिक मेले का
(ग) तलवार बाजों का (घ) राष्ट्रीय पर्व का

12. तताँरा को देखकर वामीरो की हालत कैसी हो गई?
(क) वह उसे देखकर हँसने लगी
(ख) वह वहाँ से चुपचाप चली गई
(ग) वह उसे देखकर रोने लगी
(घ) वह भाग गई

13. तताँरा-वामीरो की कथा कहाँ सुनाई जाती है?
(क) अंडमान-निकोबार के हर घर में
(ख) विश्व के एक भाग में
(ग) केवल अंडमान में
(घ) केवल निकोबार में

14. तताँरा ने क्रोध में आकर तलवार से क्या किया?
(क) वामीरो की हत्या
(ख) आत्महत्या
(ग) कार-निकोबार को दो टुकड़ों में विभक्त
(घ) समस्त द्वीपवासियों पर प्रहार

15. वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से क्या परिवर्तन हुआ?
(क) निकोबार के लोगों में भय समाप्त हो गया
(ख) निकोबार के लोग स्वतंत्र जीवन जीने लगे
(ग) तताँरा की प्रसिद्धि विश्वभर में हो गई
(घ) निकोबार के लोग दूसरे गाँव में भी वैवाहिक संबंध बनाने लगे

उत्तरमाला

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. क (iii), ख (i), ग (iii), घ (i), ङ (iv) *2. क (i), ख (iii), ग (i), घ (ii), ङ (ii)* *3. क (ii), ख (iii), ग (iv), घ (ii), ङ (i)*
4. क (ii), ख (ii), ग (iii), घ (iii), ङ (i) *5. क (iv), ख (iii), ग (iii), घ (iii), ङ (iii)*

अध्याय पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) *2. (घ)* *3. (ख)* *4. (क)* *5. (क)* *6. (ख)* *7. (ग)* *8. (ग)* *9. (क)* *10. (क)*
11. (क) *12. (ग)* *13. (क)* *14. (ग)* *15. (घ)*